मेन्स मास्टर

भारत-मालदीव संबंधों में नवीनतम गिरावट क्या है?

हाल ही में, मालदीव कैबिनेट ने हाइड्रोग्राफी पर एक साथ काम करने के बारे में भारत के साथ समझौते को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया। 2019 में हस्ताक्षरित यह समझौता 2024 में समाप्त हो जाएगा। यह निर्णय राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू के हिंद महासागर द्वीपों से भारतीय सैनिकों को वापस भेजने के वादे का पालन करता है, जो इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के **'भारत पहले'** दृष्टिकोण से हटकर है।

हाइड्रोग्राफी अवलोकन:

• **परिभाषा**: डेटा संकलन, मानचित्र/चार्ट निर्माण, परिवर्तनों की भविष्यवाणी के माध्यम से महासागरों, समुद्रों, जल निकायों का वैज्ञानिक अध्ययन।

• **उद्देश्य**: भौतिक विशेषताओं को मापना, परिवर्तनों की भविष्यवाणी करना, सुरक्षित नेविगेशन सुनिश्चित करना, आर्थिक, सुरक्षा, वैज्ञानिक और पर्यावरणीय गतिविधियों का समर्थन करना।

भारत की विशेषज्ञता:

• आईएचओ सदस्यता: 1955 से सक्रिय, अंतर्राष्ट्रीय हाइड्रोग्राफिक प्रयासों में योगदान।

• **आईएनएचडी स्थापना**: 1874 में कोलकाता में स्थापित, अब हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण और मानचित्रण का नेतृत्व कर रहा है।

• **साझेदारी**: हाइड्रोग्राफिक सहयोग के लिए हिंद महासागर और अन्य देशों (मॉरीशस, सेशेल्स, तंजानिया, मालदीव, आदि) के साथ सहयोग।

• **विस्तारित भूमिका**: वैश्विक हाइड्रोग्राफी और समुद्री कूटनीति में INHD की बढ़ी हुई भूमिका, 39 देशों के कर्मियों को प्रशिक्षण की पेशकश।

2019 एमओयू का महत्व:

• **संदर्भ**: पीएम मोदी की यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित, राष्ट्रपति सोलिह की चुनावी जीत के बाद मजबूत संबंधों का प्रतीक।

• **प्रतिबद्धता**: विकास, रक्षा और समुद्री सुरक्षा के प्रति पारस्परिक प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई।

• **परिचालन**: हाइड्रोग्राफी पर संयुक्त आयोग के गठन और उसके बाद एमएनडीएफ और भारतीय नौसेना के बीच संयुक्त सर्वेक्षण का नेतृत्व किया गया।

नवीनीकरण के विरुद्ध कैबिनेट का निर्णय:

• **प्रशासन का उद्देश्य:** राष्ट्रपति मुइज्ज़ू की सरकार का लक्ष्य मालदीव की राष्ट्रीय सुरक्षा से संभावित समझौता करने वाले समझौतों को समाप्त करना है।

• **सैन्य क्षमता बढ़ाना:** अपने जल क्षेत्र की स्वतंत्र निगरानी और पुलिसिंग के लिए स्थानीय सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करें।

• **संप्रभुता संबंधी चिंताएँ:** अवर सचिव मोहम्मद फ़िरज़ुल ने इस तरह के प्रयासों में मालदीव की संप्रभुता की सुरक्षा के लिए विदेशी भागीदारी को बाहर करने की वकालत की।

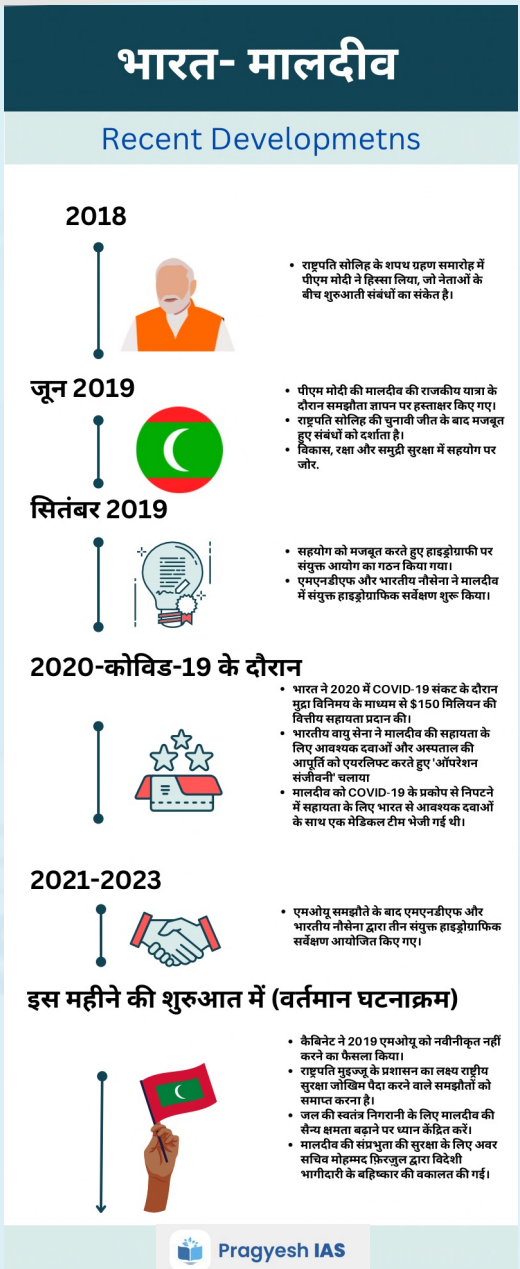

क्या नया दूरसंचार विधेयक इस क्षेत्र को सुव्यवस्थित करेगा?

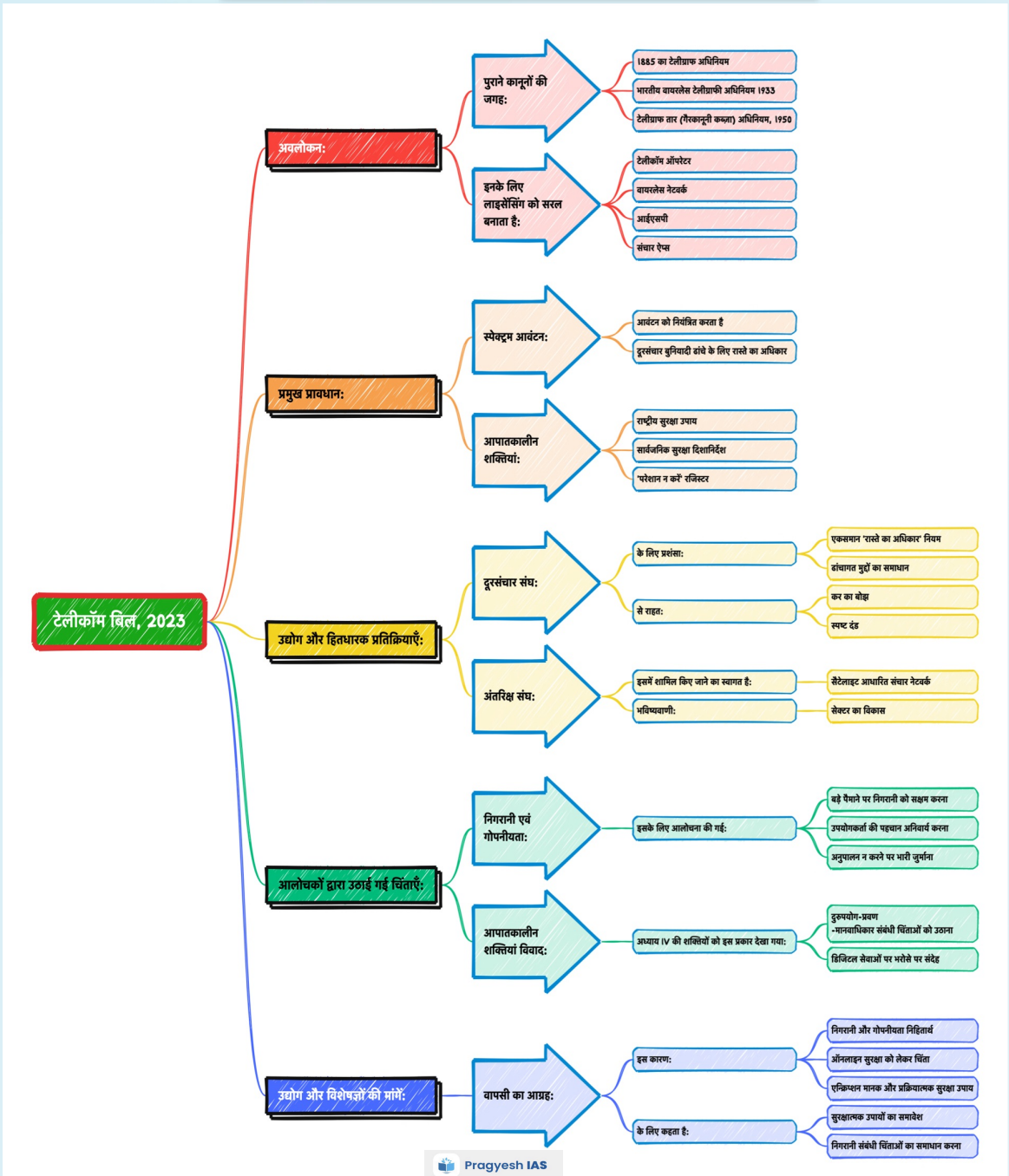

t.me/pragyeshIASMENTOR Pragyesh IAS pragyesh.org

प्रीलिम्स ब्लास्टर

एक रणनीतिक चोक प्वाइंट

• संघर्ष में वृद्धि:
• इज़राइल-हमास संघर्ष के दौरान, लेबनान में हिज़्बुल्लाह द्वारा दूसरा मोर्चा खोलने की उम्मीद थी, लेकिन पूर्ण पैमाने पर युद्ध के बिना तनाव बना रहा।
• ईरान द्वारा समर्थित यमन के अंसार अल्लाह (हौथिस) ने शुरू में इज़राइल को निशाना बनाया लेकिन अपना ध्यान लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर केंद्रित कर दिया।
• हौथी कार्य और प्रभाव:
• हौथी ने लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाकर हमला किया, जिससे वैश्विक नौवहन के लिए खतरा पैदा हो गया।
• बढ़ी हुई घटनाओं ने शिपिंग मार्गों को बाधित कर दिया, जिससे प्रमुख कंपनियों ने लाल सागर में व्यापार को निलंबित कर दिया, जिससे यातायात में 35% की गिरावट आई।
• बाब अल-मंडेब का रणनीतिक महत्व:
• बाब अल-मंडेब, एक संकीर्ण जलडमरूमध्य, लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से महत्वपूर्ण रूप से जोड़ता है।
• रणनीतिक महत्व के कारण ऐतिहासिक रूप से ब्रिटिशों से सुरक्षा मिली और यमन के एकीकरण के बाद नियंत्रण स्थानांतरित हो गया।
• हौथी क्षमताएं और प्रभाव:
• बाब अल-मंडेब के पास स्थित हौथिस के पास जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाने के लिए हथियार हैं।
• उनके हमलों ने न केवल इज़राइल के दक्षिणी बंदरगाह को प्रभावित किया, बल्कि 12% वैश्विक समुद्री व्यापार को भी बाधित कर दिया, जिससे यातायात को फिर से मार्ग बदलना पड़ा।
• आर्थिक और सुरक्षा निहितार्थ:
• अफ्रीका के चारों ओर यातायात का मार्ग बदलने से दूरियाँ और शिपिंग अवधि बढ़ गई, जिससे वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ।
• अमेरिका ने हौथी खतरों का मुकाबला करने के लिए एक नौसैनिक टास्क फोर्स का गठन किया, जबकि क्षेत्रीय देशों ने प्रत्यक्ष भागीदारी से परहेज किया।
• निरंतर ख़तरा और प्रतिक्रिया:
• जब तक इजराइल और गाजा के बीच संघर्ष जारी रहेगा हौथी टैंकरों को निशाना बनाते रहेंगे।
• अमेरिका और सहयोगियों ने नौसैनिक संसाधनों का वादा किया है और हौथिस के खिलाफ संभावित आक्रामक कार्रवाइयों से इनकार नहीं किया है।